VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)/GENERAL STUDIES (Paper-I) (2422)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 55+1 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 55+1 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1130489

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Maitreya Kumar Shukla.

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

HINDI

तारीख
Date

26/08/2023

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)
GENERAL STUDIES (Paper I)

केंद्र
Centre 09-BHOPAL

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature 26/8/23

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1			11		
2			12		
3			13		
4			14		
5			15		
6			16		
7			17		
8			18		
9			19		
10			20		
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)/GENERAL STUDIES (Paper-I) (2422)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*कुल **बीस** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 से 10 तक का उत्तर 150 शब्दों में तथा प्रश्न संख्या 11 से 20 तक का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Answers to Questions No. 1 to 10 should be in 150 words, whereas answers to Questions No. 11 to 20 should be in 250 words.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. भारत के पारंपरिक रंगमंच के रूप समाज के आदर्शों और भावनाओं तथा समुदाय में एक व्यक्ति की भूमिका को दर्शाते हैं। उदाहरण सहित विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
The traditional theatre forms of India reflect the ideals and emotions of the society, and an individual's role in the community. Discuss with examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पारंपरिक रंगमंच

से तात्पर्य भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित स्थानीय नाट्य परंपराओं के मंचन से है।

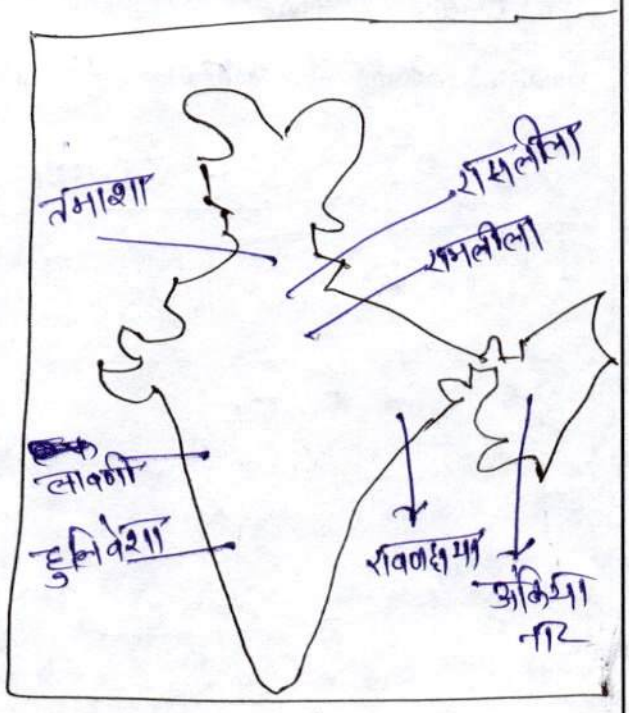

समाज के आदर्श व भावना के प्रतिनिधि -

1) लोकमंगलकारी आदर्श की स्थापना
   ↳ रामलीला

2) वीरता व युद्धों का महत्व
   ↳ लावणी व दुलिवेशा

3) लोकसंस्कृति का प्रदर्शन
   ↳ अंकिया नाच

4) व्यंग्य व मौजमस्ती की भावना
↳ नौटंकी

5) प्रेम के संयोग व वियोग रूप
↳ रासलीला
↳ बिदेशिया

समुदाय में एक व्यक्ति की भूमिका –

1) रामलीला में राम का ही महत्व

2) रासलीला में कृष्ण की मनोरंजक भूमिका

3) कुचिपुड़ी में एक ही व्यक्ति द्वारा नृत्य का बाह्य रूप में प्रदर्शन।

* हालांकि अंकिया नाट, रावणछाया आदि समूहों में होते हैं।

"कोस-कोस पे पानी बदले, कोस-कोस पे बानी।" भारतीय समाज की यह विविधतापूर्ण प्रवृत्ति पारंपरिक रंगमंच में भी व्यक्त होती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. सांची स्तूप के ऐतिहासिक और स्थापत्य कला संबंधी महत्व का विवरण दीजिए। साथ ही, चर्चा कीजिए कि इसने भारत में भविष्य की स्थापत्य कला को किस प्रकार प्रेरित किया है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Provide an account of the historical and architectural importance of the Sanchi Stupa. Also, discuss how it inspired the future architecture in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मध्यप्रदेश में स्थित सांची स्तूप, मौर्यकालीन वास्तुकला का प्रतीक तथा एक विश्व धरोहर स्थल है।

ऐतिहासिक व स्थापत्य महत्व

1) दोहरी वेदिका का निर्माण
↳ जो उस समय कम ही दिखती है।

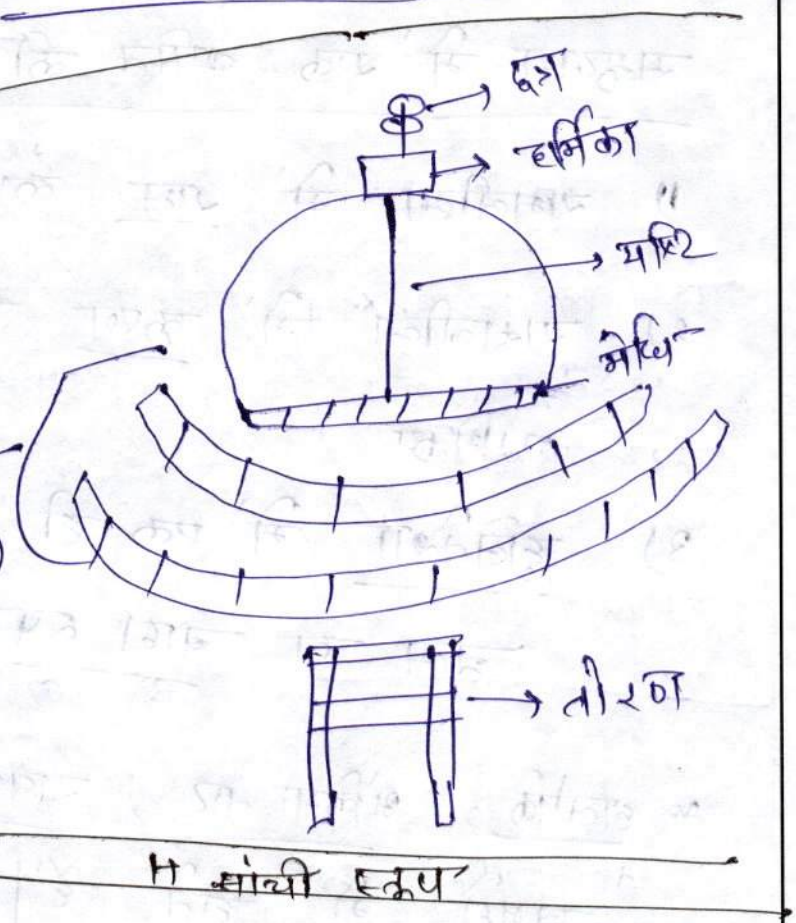

2) मौर्यकालीन सबसे बड़े स्तूपों में एक
↳ यहां तीन स्तूप हैं।

3) लोक संस्कृति का प्रदर्शन
↳ शालभंजिका की मूर्ति

4) अशोक के कार्यों की जानकारी
- स्तंभलेख
- रामग्राम यात्रा का विवरण

भविष्य पर प्रभाव -

1) मौर्योत्तर काल में दोहरी वेदिका निर्माण की प्रवृत्ति।

2) भरहुत, अमरावती में भी लोक कथाओं का चित्रण।

3) वर्तमान में मध्यप्रदेश की विधानसभा का आकार, इसी से प्रेरित है।

" यूनान, मिस्र, रोमा सब मिट गए जहाँ से, अब तक मगर है बाकी नामोनिशाँ हमारा " चूंकि हमने अपनी विरासतों का संरक्षण किया है, जिसका एक उदाहरण सांची स्तूप भी है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. भगत सिंह ने क्रांतिकारी विचारधारा, क्रांति के लक्ष्यों और क्रांतिकारी संघर्ष के रूपों के संदर्भ में एक वास्तविक दृष्टिकोण प्रदान किया है। स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Bhagat Singh made a real breakthrough in terms of revolutionary ideology, the goals of revolution and forms of revolutionary struggle. Elucidate. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शहीद-ए-आज़म के नाम से प्रसिद्ध भगतसिंह भारतीय स्वाधीनता के अमर नायकों में से एक हैं।

क्रांतिकारी विचारधारा को वास्तविक दृष्टिकोण

"क्रांति की तलवार, विचारों की सान पर तेज होती है।" (भगतसिंह)

- विचारधारा को क्रांति का आधार बताया।
- मजदूर, किसान व हर वंचित की आवाज उठायी।

प्रमुख कार्य

- सांडर्स की हत्या
- केंद्रीय विधानसभा में बम फोड़ना
- नौजवान भारत सभा स्थापना।

क्रांति के नए लक्ष्य

- केवल राजनीतिक ही नहीं, हर प्रकार

के घोषणा, वेयन से आजादी का आह्वान किया (नौजवान भारत सभा में)

क्रांतिकारी संघर्ष के नए रूप -

* व्यक्तिगत हमले जैसा
  ↳ सांडर्स की हत्या
* हिंसा का प्रयोग
  ↳ केंद्रीय विधानसभा में बम फेंकना
* भागना नहीं बल्कि आत्मसमर्पण द्वारा जनता में संदेश देना।
  ↳ "बहरों को सुनाना" उद्देश्य पूरा कर 1929 में आत्मसमर्पण।

आज जब हम आजादी के अमृत काल में चल रहे हैं तो इसमें भगतसिंह व उनके साथियों का क्रांतिकारी योगदान भी उल्लेखनीय है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. मेजी पुनर्स्थापना के कारणों को उजागर करते हुए, जापान के लिए इसके महत्व की विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Bringing out the factors that led to the Meiji restoration, discuss its significance for Japan. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1868 में जापान ने औपनिवेशिक शासन से आजादी प्राप्त की तथा मेजी शासन की पुनःस्थापना हुई।

* कारण

* लोगों में वंचन की भावना
* विदेशों में पढ़कर आए लोगों द्वारा स्वतंत्रता का महत्व बताना।
* जापान की समृद्ध प्राचीन विरासत
* मेजी संगठनों की देशभर में स्थापना, प्रचार-प्रसार।
* औपनिवेशिक शासन द्वारा दमनकारी कार्यवाही।

महत्व

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

* राष्ट्रीयता की भावना की स्थापना व भारत जैसे अन्य औपनिवेशिक देशों में प्रसार।
* अत्यंत तेज औद्योगीकरण।
* रूस व चीन जैसी शक्तियों को पराजित कर महाशक्ति बनना। 1905 में रूस को हराया।
* स्थानीय भाषा, संस्कृति का महत्व स्थापित किया।
* प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध तक प्रमुख सैन्य शक्ति बन गया।

मेजी पुनर्स्थापना, जापान के साथ-साथ एशिया के इतिहास में महत्वपूर्ण घटना है।

5. यह माना जाता है कि एक राष्ट्र वस्तुत: एक "कल्पित समुदाय" होता है जो साझा विश्वास, इतिहास, राजनीतिक आकांक्षाओं आदि द्वारा संगठित होता है। इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि एक राष्ट्र के रूप में भारत का आधार क्या है। साथ ही, भारतीय राष्ट्रत्व की अवधारणा के समक्ष विद्यमान खतरों को भी उजागर कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

It is believed that a nation is an "imagined community" held together by common beliefs, history, political aspirations etc. In this context, discuss what the basis of India as a nation is. Also, bring out the threats to the concept of Indian nationhood. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"भारत, मेरे सम्मान का सबसे महान शब्द,
जहां कहीं भी प्रयोग किया जाए,
बाकी सभी शब्द अर्थहीन हो जाते हैं।"
(अवतार सिंह पाश)

भारत, एक 'राष्ट्र'

'राष्ट्र' की अवधारणा

राज्य (संप्रभुता, सेना, क्षेत्र) में रहने वाले लोगों का साझा इतिहास व सांस्कृतिक जुड़ाव।

1) साझा विश्वास

↳ दुनिया के सभी धर्म यहां, पर सबका मूल 'सर्वे भवंतु सुखिनः' की ही धारणा।

↳ अनुच्छेद 25 के तहत हर धर्म को स्वतंत्रता।

↳ भक्ति व सूफी जैसी परंपराएं, जो साझे विश्वास को प्रगाढ़ करती हैं।

2) साझा इतिहास –

↳ सिंधु घाटी सभ्यता से

अभी तक एक निरंतरता।

↳ मुस्लिम व ईसाई लोग भी 1000 वर्ष से ज्यादा समय से यहाँ।

3) साझी राजनीतिक आकांक्षाएं

↳ लोकतंत्र, लोककल्याण की आकांक्षा।

राष्ट्रत्व के सम्मुख खतरे

- जातीय व धार्मिक तनाव
  - ↳ मणिपुर जातीय हिंसा (2023)
  - ↳ नूह दंगे (2023)
- विविधता की अधिकता
  - ↳ पूर्वोत्तर का कटाव (भौगोलिक विविधता)
- बहुमत के शासन का खतरा
  - ↳ अल्पसंख्यकों में असुरक्षा भावना।
- क्षेत्रवाद व अलगाववाद
  - ↳ पंजाब में खालिस्तान मांग

दुनिया की सबसे विविधतापूर्ण देश होना हमारे लिए सम्मान व गर्व की बात है, जब तक उसका सम्मान करते हुए, सामूहिक सफलताओं (चंद्रयान-3) पर जश्न मनाया जाए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. भारत में फार्मास्युटिकल उद्योग के विकास के प्रमुख कारकों का उल्लेख कीजिए। साथ ही, भारत की अर्थव्यवस्था और सार्वजनिक स्वास्थ्य के संबंध में इसके महत्व पर भी चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

State the key factors behind the growth of the pharmaceutical industry in India. Additionally, discuss its significance with regard to India's economy and public health.(Answer in 150words)10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

फार्मास्युटिकल उद्योग से तात्पर्य, स्वास्थ्य उपकरणों, दवाइयों के निर्माण से है, जो 2025 तक 100 बिलियन $ होने का अनुमान है।

विकास के कारण →

1) परंपरागत रूप से मजबूती
   ↳ आयुर्वेद की परंपरा।

2) सस्ते व कुशल श्रम की उपलब्धता

3) जेनेरिक दवाईयों का निर्माण व भोग
   ↳ अमेरिका की 50% जेनेरिक दवाईयां यहां से।

4) मजबूत व विकसित प्राईवेट तृतीयक क्षेत्र
   ↳ मेडिकल टूरिज्म के रूप में धन का आगमन

5) सरकारी समर्थन
   ↳ उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना।

महत्व

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अर्थव्यवस्था पर	सार्वजनिक स्वास्थ्य पर
1) रोजगार देना	1) सस्ती दवाइयां = आउट आफ पाकेट खर्च कम ↳ 2017 में 62% से 2022 में 48% हुआ।
2) विदेशी मुद्रा आगमन ↳ दुनिया का चौथा सर्वाधिक औषधि उत्पादक	2) पारंपरिक आयुष दवाइयों का प्रयोग ↳ कम साइड इफेक्ट
3) विश्व बैंक जैसे संस्थानों से मदद	3) भारत में महामारी से निपटना ↳ कोविड वैक्सीन
4) आयुष उद्योग को प्रोत्साहन ↳ 3B$ (2014) से 24B$ (2023)	

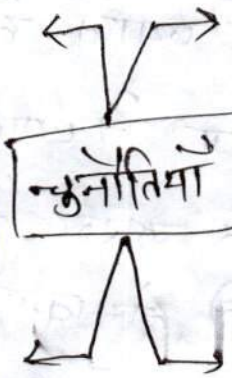

2018 के सर्वे में 4.5% जेनेरिक दवाइयां खराब पायी गईं।

उज्बेकिस्तान, गेम्बिया आदि, में बच्चों की मौत

केवल 20% उद्योग ही विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रमाणित।

कच्चा माल हेतु चीन पर निर्भर। (70% API आयात)

स्वस्थ समाज ही मजबूत राष्ट्र का आधार है, अतः फार्मा उद्योग पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

7. चर्चा कीजिए कि अरब सागर की तुलना में बंगाल की खाड़ी चक्रवातों के प्रति अधिक प्रवण क्यों है। साथ ही, दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की घटना में आने वाली कमी के कारणों की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Discuss why the Bay of Bengal is more prone to cyclones than the Arabian Sea. Also, explain the reasons for the decrease in frequency of tropical cyclones during the Southwest monsoon season. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

चक्रवात, एक विशिष्ट प्राकृतिक घटना है जो उष्णकटिबंधीय समुद्रों में पवनों के घूर्णनकारी आरोहण व अग्रगति को व्यक्त करता है।
↳ जैसे- बिपारजय (2023)

बंगाल की खाड़ी में ज्यादा चक्रवात के कारण -

1) तापमान का ज्यादा होना
↳ स्थल भाग से ज्यादा घिराव
2) छोटा होने के कारण स्थल तक पंहुचने की संभावना ज्यादा।
3) अधिकांश चक्रवात, पूर्व की ओर बढ़ते हैं, अतः बंगाल की खाड़ी के चक्रवात, भारत पंहुचते हैं।
4) अरब सागर में तेज पवनें, चक्रवात को कमजोर करती हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

द० प० मानसून के कारण चक्रवातों में कमी

अरब सागर

① वर्षा ज्यादा = कम ताप
↳ 35°C तक ताप आवश्यक है।

② अत्यंत तेज मानसून पवनें, जो समुद्र को अशांत करती हैं।

③ ऊपरी वायुमंडल में प्रतिचक्रवाती स्थिति न बन पाना

बंगाल की खाड़ी

① वर्षा ज्यादा = कम ताप
↳ यहां भी

② इसमें भी अराकानयोमा से टकराकर पवनों का आगमन

③ यहां भी।

चक्रवात एक प्रमुख आपदा भी हैं, जो भारत की 5700 किमी तटरेखा को प्रभावित करते हैं, अतः इनका समग्र अध्ययन आवश्यक है।

8. प्रकृति में विनाशकारी होने के बावजूद, ज्वालामुखी पृथ्वी पर मानव जीवन के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं। स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Despite being destructive in nature, volcanoes are critical for the existence of human life on earth. Elucidate. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ज्वालामुखी विस्फोट.

पृथ्वी के आंतरिक भाग से बड़ी मात्रा में मैग्मा, गैसों व धूलकणों के निकलने की घटना है। जैसे- माउंट सेमेरू।

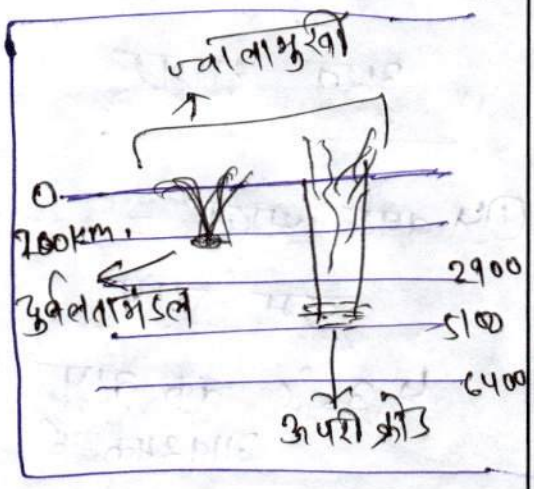

विनाशकारी प्रवृत्ति →

- धूल कणों के रूप में वायु प्रदूषण
- आस-पास के वन व वन्य जीवों का अंत।
- स्थानीय क्षेत्र की दृश्यता बाधित।
- गर्म अग्नि विनाश की ही प्रतीक है।

मानव अस्तित्व हेतु महत्व -

1) बेसाल्ट प्रवाह द्वारा मृदा निर्माण
↳ दक्कन ट्रैप

2) प्राथमिक चट्टानों का निर्माण
↳ लावा के जमने से।

3) महत्वपूर्ण खनिजों की प्राप्ति
↳ आग्नेय चट्टानों में।

4) ग्लोबल कूलिंग में सहायक
↳ एल्बिडो कम कर देते हैं।

5) पर्यटन गति विधियाँ

6) प्रकाश स्तंभ का कार्य
↳ मार्कर रहना, नेविगेशन में मदद करता है।

ज्वालामुखी, कई बार समुद्री तूफान का भी कारण बनते हैं (टोंगा) पर मानव के जीवन में सकारात्मक महत्व भी रखते हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9. क्षेत्रवाद के पक्ष में तर्क प्रस्तुत करने में सापेक्ष अभाव एक महत्वपूर्ण पहलू है। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
The existence of relative deprivation is an important aspect in constructing the argument for regionalism. Explain with examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

क्षेत्र, एक समान भौगोलिक व सांस्कृतिक विशेषताओं वाली भू-भाग है, तथा अपने क्षेत्र के प्रति विशेष भावना क्षेत्रवाद कहलाती है।

↳ जैसे - झारखंड द्वारा अलग राज्य की मांग।

प्रमुख क्षेत्रवादी प्रवृत्तियां

क्षेत्रवाद

नकारात्मक

↳ मेरा क्षेत्र ही सर्वश्रेष्ठ
↳ अलगाव की भावना (खालिस्तान)

सकारात्मक

↳ संपूर्ण देश के हिस्से के रूप में, मेरे क्षेत्र का विकास
↳ समावेशी विकास (छत्तीसगढ़)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

क्षेत्रवाद के कारण / पक्ष में तर्क →

1) सापेक्षिक अभाव

- आर्थिक रूप से पिछड़े होना।
  - विदर्भ क्षेत्र
- भाषायी रूप से सजातीयता।
  - द० में हिंदी विरोध।
- भौगोलिक वंचन
  - पूर्वोत्तर
- सामाजिक रूप से अभाव
  - झारखंड व छत्तीसगढ़।

2) अन्य कारण

- विशिष्ट प्रवृत्तियाँ
  - पर्यावरण (उत्तराखंड)
- बाह्य कारक
  - जम्मू कश्मीर

सकारात्मक रूप से क्षेत्रवाद हितैषी है, जिसे क्षेत्रीय व अंतर्राज्यीय परिषदों के माध्यम से अलगाववादी होने से बचाने की आवश्यकता है।

10. यदि भारत को 'सबके लिए शिक्षा' के लक्ष्य को हासिल करना है तो छेड़छाड़ और स्कूली हिंसा के अन्य रूपों के बढ़ते मामलों की समस्याओं से तत्काल निपटने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
If India is to realise the goal of 'education for all', the issue of rising cases of bullying and other forms of school violence needs to be addressed immediately. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

राममूर्ति आयोग की सिफारिश पर भारत में शिक्षा का अधिकार अधीनियम -2009 लाकर, सबके लिए स्कूली शिक्षा का प्रावधान किया गया।

चुनौतियाँ →

1) स्कूल में सुरक्षा की कमी -

- छात्राओं का शोषण, छेड़छाड़
  - राजस्थान में कॉलेज कैंपस में छात्रा का बलात्कार (2023)
- स्कूली हिंसा में वृद्धि
  - गैंगवार का बढ़ना।
- शिक्षकों की नकारात्मक भूमिका
  - गंगा जमना पब्लिक स्कूल (दमोह, म.प्र.) पर धर्मांतरण का आरोप।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2) अन्य चुनौतियाँ

- अवसंरचना की कमी
  - केवल 34% स्कूलों में इंटरनेट
- शिक्षकों के 19% पद खाली
- शिक्षा का अधिकार अधी. का केवल 12% स्कूलों में क्रियान्वयन।

समाधान

* शिक्षा का अधिकार अधी. – 2009
  - जागरूकता ↑↑
  - छात्र सुरक्षा के उपाय लागू
  - शिक्षकों की जवाबदेही तय
* छात्रों को मूल्य शिक्षा देने पर जोर तथा परिवार की भूमिका बढ़े।
* अवसंरचना सुधार व ई-शिक्षा का प्रसार।
* हिंसा प्रभावित स्कूलों की मैपिंग कर विशेष उपाय।

"शिक्षा, वह महत्वपूर्ण उपकरण है, जिसका प्रयोग दुनिया बदलने के लिए किया जा सकता है।" (नेल्सन मंडेला)

11. पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को आकार देने में अहोम साम्राज्य द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डालिए तथा समकालीन समय में इसकी विरासत पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Bring out the role played by the Ahom Kingdom in shaping the cultural and historical identity of North-East India, and discuss its legacy in contemporary times. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अहोम साम्राज्य, मध्यकाल में पूर्वोत्तर क्षेत्र का सबसे बड़ा साम्राज्य था, जो न केवल पूर्वोत्तर बल्कि भारत के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

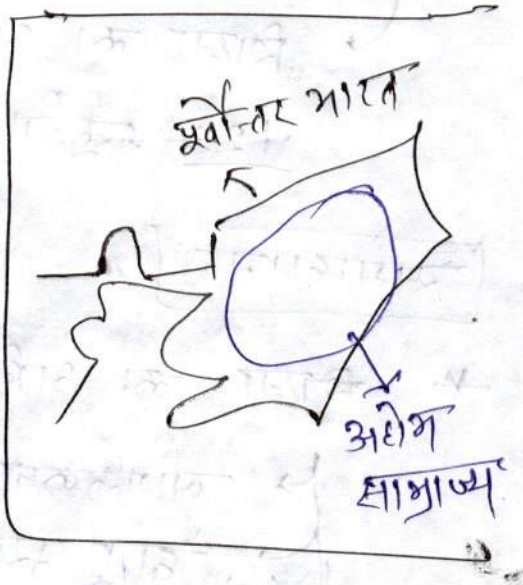

ऐतिहासिक पहचान में भूमिका -

* पहली बार पूर्वोत्तर पर केंद्रीकृत शक्ति का नियंत्रण
  ↳ जिसने एकीकरण का मार्ग प्रशस्त किया।
* बंगाल पर अभियानों, मुगल साम्राज्य से टक्कर के

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कारण, शेष भारत से जुड़ाव

* जनजातीय संस्कृति का व्यापक प्रसार व स्वीकार्यता।
* म्यांमार से प्रमुख विजयें।

सांस्कृतिक महत्व →

* लचित बोरफुकान —
  - संस्कृति संरक्षक योद्धा
  - मुगल सेना को हराया
  - आत्मविश्वास के प्रतिनिधि
  - महाराणा प्रताप व छत्रपति शिवाजी जैसी भूमिका।

* अहोम शवदाह स्थल
  - महत्वपूर्ण सांस्कृतिक धरोहर
  - यूनेस्को मान्यता की मांग।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

समकालीन समय में विरासत

* एनडीए में बेस्ट कैडेट को लचित बोरफुकान मेडल।

* असम में लचित बोरफुकान की प्रतिमा।
  ↳ संस्कृति संरक्षण की प्रेरणा।

* अमृतकाल में अंग्रेजों से टक्कर के महत्व की स्थापना।
  ↳ अहोम विद्रोह (1828)

भारतीय समाज को उत्तर भारत के साम्राज्यों को ही भारतीय साम्राज्य मानने की सोच त्यागनी चाहिए व द० व पूर्वोत्तर के राज्यों के साम्राज्यों का पूर्ण सम्मान करना चाहिए।

12. 1940 के दशक तक पूंजीपति वर्ग भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को समर्थन देने के विषय में सामान्यतः दुविधा में रहा है। इस संदर्भ में, संपूर्ण राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान भारतीय पूंजीपतियों की अलग-अलग स्थितियों का विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The capitalist class generally remained ambivalent in their support to the Indian National Congress until 1940s. In this context, analyse the varying positions of the Indian capitalists throughout the national movement. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पूंजीपति वर्ग से तात्पर्य ऐसे लोगों के समूह से है, जो उत्पादन पर नियंत्रण रखते हैं।

19वीं सदी में राष्ट्रीय आंदोलन में पूंजीवादी -

- मुख्यत: अंग्रेज पूंजीवादी थे, जो विरोध में थे।
- भारतीय पूंजीवादी भी अंग्रेजी निवेश पर निर्भर तो मुखर नहीं।

स्वदेशी आंदोलन —

- हड़तालों के कारण भय का माहौल
  - जैसे- [illegible] बर्न कंपनी में हड़ताल
- स्वदेशी उद्योगों की स्थापना
  - चिदंबरम पिल्लई द्वारा स्वदेशी स्टीम नेविगेशन कंपनी की स्थापना
  - पी.सी. रे द्वारा स्वदेशी केमिकल स्टोर्स स्थापना।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रथम विश्व युद्ध के दौरान -

↳ भारतीय उद्योगों को लाभ, क्योंकि अंग्रेजी सामान विदेश जा रहा था।

↳ पर खुलकर राष्ट्रीय आंदोलन का समर्थन नहीं।

1920 - 40 तक -

↳ महात्मा गांधी के आह्वान पर कई पूंजीवादी जुड़े (जैसे- बिड़ला)

↳ पर समाजवादी धारा के उदय व ट्रेड यूनियन के कारण बचाव ही रहा।

1940 के दशक में -

↳ राष्ट्रीय चेतना ने सारे मतभेद भुलाए।

↳ महात्मा गांधी के न्यास के सिद्धांत को भी अपनाया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

↳ पूंजीवादियों ने बाम्बे प्लान द्वारा वंचित केंद्रित नीतियों का समर्थन किया

पूंजीवादियों की भूमिका का मूल्यांकन

पक्ष

↳ लंबे समय तक आंदोलन को आधार दिया।

↳ स्वदेशी उद्योगों की स्थापना की

विपक्ष

↳ 1940 तक सामान्यतः आंदोलन से दूरी

↳ स्वहित केंद्रित समर्थन
↳ जैसे - टैक्स कम करवाने हेतु।

विश्व का सबसे बड़ा स्वाधीनता संग्राम, इसमें पूंजी पतियों की भी पर्याप्त भूमिका पाता है।

13. भारत में प्रेस के उद्भव का परिचय दीजिए। साथ ही, अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के बावजूद भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के विभिन्न चरणों के दौरान इसके महत्वपूर्ण प्रभाव पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Trace the evolution of the press in India. Also, discuss the instrumental impact it had during various stages of the Indian freedom struggle despite the repressive policies of the British. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जेम्स आगस्टस हिक्की द्वारा बंगाल गजट की शुरुआत भारत में आधुनिक प्रेस का उद्भव मानी जाती है।

अंग्रेजों की दमनकारी नीतियाँ -

1. 1799 के अधीनियम द्वारा नियंत्रण
   - पंजीकरण, पूर्व अनुमति आवश्यक

2. 1823 का अधीनियम
   - राजाराम मोहन राय को संवाद कौमुदी बंद करना पड़ा।

3. 1878 का वर्नाक्युलर एक्ट
   - भारतीय भाषाओं के अखबारों पर अत्यधिक नियंत्रण।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. 1908 का समाचार पत्र अधिनियम –

↳ आपातकालीन शक्तियां प्राप्त की गई।

स्वतंत्रता संघर्ष में प्रभाव →

1) सामाजिक धार्मिक सुधार के द्वारा राष्ट्रीय एकता के प्रोत्साहन में –
   ↳ मिरात - उल - अखबार (राजा राम मोहन राय)

2) अंग्रेजों की आर्थिक आलोचना द्वारा धन जागरूकता
   ↳ दादाभाई नौरोजी (दादाभाई नौरोजी)

3) प्रशासनिक सुधारों की मांग व राजनीतिक आलोचना
   ↳ बेंगाली (सुरेंद्रनाथ बनर्जी)

4) स्वदेशी आंदोलन के दौरान जनता को आह्वान
   ↳ केसरी, मराठा (बाल गंगाधर तिलक)

5) क्रांतिकारी राष्ट्रवाद का प्रसार

↳ संध्या

6) द० भारत में भी राष्ट्रीय चेतना का प्रसार

↳ ~~द० भारत हिंदी~~

7) विदेशों में आंदोलन

↳ वंदे मातरम

↳ गदर पत्रिका

समाचार पत्रों ने स्वाधीनता मिलने तक यंग इंडियन, नेशनल हेराल्ड के माध्यम से जनचेतना को जगाए रखा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

14. विभिन्न प्रकार के मरूस्थलों के निर्माण के लिए उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालते हुए, उनमें पाई जाने वाली प्रमुख भू-आकृतियों का संक्षिप्त विवरण दीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Highlighting the factors behind the formation of different types of deserts, give a brief account of the major landforms found in them. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

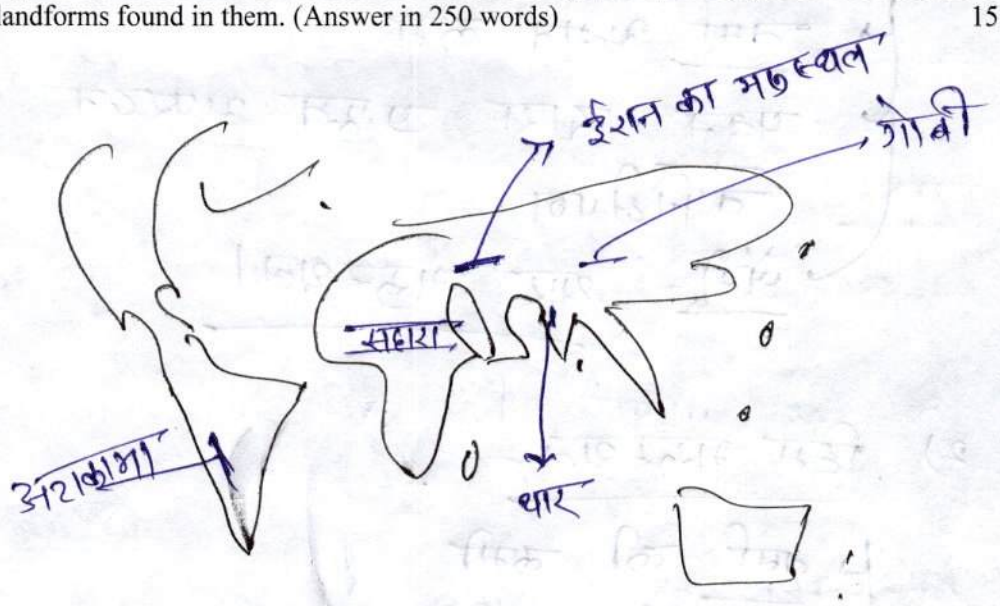

प्रमुख मरुस्थल

मरुस्थल, एक ऐसी भू-आकृति होती है, जहां वर्षण की दर, वाष्पोत्सर्जन की दर से कम होती है, अतः कृषि व वन नहीं पाए जाते। जैसे- सहारा मरुस्थल

विभिन्न प्रकार के मरुस्थल निर्माणकारी कारक -

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1) मैदानी क्षेत्र में मरुस्थल -

- वर्षा अत्यंत कम
- पवन द्वारा प्रमुख अपरदन व निक्षेपण
- जैसे - थार मरुस्थल।

2) हिम मरुस्थल -

- वर्षा की कमी
- सौर प्रकाश की अधिकता
- हिम द्वारा अपरदन व निक्षेपण।
- जैसे - गोबी मरुस्थल

3) समुद्री धाराओं के कारण बने -

- सुदूरवर्ती व ठंडी धाराएं वर्षा नहीं होने देती।
- सहारा मरुस्थल।

4) पर्वतों के कारण बने -

- पर्वतों के वर्षछाया क्षेत्र में बने
- अटाकामा मरुस्थल।

विभिन्न भू-आकृतियाँ -

1) अपरदित स्थलाकृतियां

* इंसेलबर्ग (चट्टानों के कटे-कटे रूप)
* प्लाया झील
* छत्रकाकार चट्टानें
* पर्वतों का पीछे हटना।

2) निक्षेपित स्थलाकृतियां

* रेत के मैदान
* बालू टिब्बे
  ↳ अर्धचंद्राकार आदि आकृतियाँ
* रेतीले तरंग।

मरुस्थल, अपनी भू-आकृतिक विशेषताओं के लिए जाने जाते हैं, पर इनके सामान्य क्षेत्रों में विस्तार (मरुस्थलीकरण) को रोकने की आवश्यकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

15. पर्वत नाजुक पारिस्थितिक तंत्र हैं जो जलवायु परिवर्तन और अन्य मानवजनित व्यवधानों के प्रतिकूल प्रभाव के प्रति संवेदनशील होते हैं। उदाहरण सहित समझाइए। साथ ही, उनके संधारणीय प्रबंधन के लिए शुरू की गई पहलों को भी रेखांकित कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Mountains are fragile ecosystems vulnerable to the adverse impact of climate change and other anthropogenic interventions. Illustrate with examples. Also, highlight the initiatives taken for their sustainable management. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पर्वत, उस पारिस्थितिकी तंत्र को कहा जाता है, जो सामान्यतः 600 मीटर से ऊँचे तथा शिखर पर सपाट नहीं होते हैं। जैसे- हिमालय पर्वत।

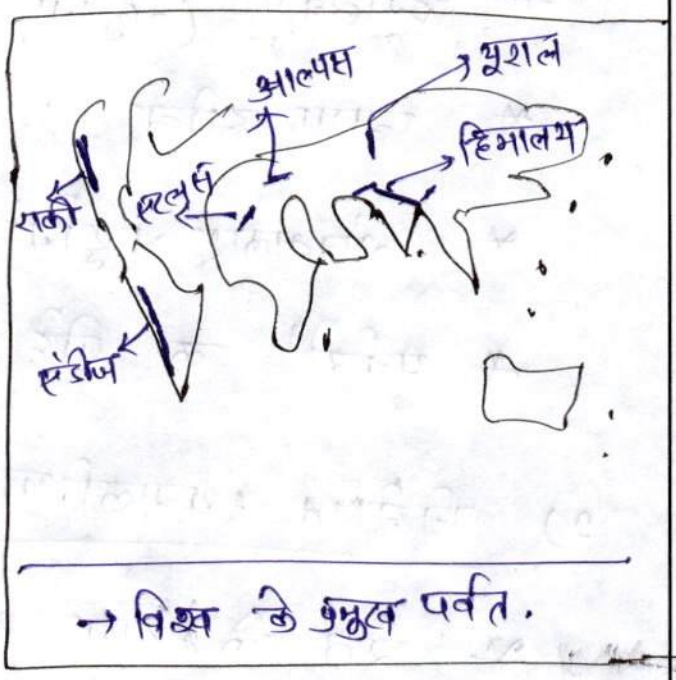

→ विश्व के प्रमुख पर्वत.

पर्वतों की संवेदनशीलता -

1) जलवायु परिवर्तन के प्रति -

* चरम मौसमी घटनाओं में वृद्धि
  ↳ हिमाचल में 2020-22 में बादल फटने की दर 6 गुना बढ़ी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

* बर्फ का पिघलना

* कृषि पर प्रभाव
  ↳ हिमालय में सेव की खेती उच्च अक्षांशों में गयी

* आपदाओं में वृद्धि
  ↳ हेंडीज क्षेत्र में बाढ़

2) मानवजनित प्रभाव -

* असंधारणीय उपभोग
  ↳ अत्यधिक पर्यटन
  ↳ निर्माण गतिविधियां
    ↳ वनोन्मूलन
  ↳ जनसंख्या बढ़ना

* मानव पर प्रभाव
  ↳ भू-स्खलन (हिमाचल - 2023)
  ↳ बाढ़ (असम - 2023)
  ↳ विस्थापन (जोशीमठ)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पर्वतों के संधारणीय प्रबंधन हेतु पहलें -

1) ईको पर्यटन
   ↳ स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण करते हुए पर्यटन

2) देशों के नेट जीरो टारगेट

3) भारी निर्माण कार्यों पर रोक
   ↳ जैसे- एम.सी मिश्रा समिति की सिफारिशें।

4) टनल आदि के निर्माण द्वारा अवसंरचना निर्माण
   ↳ अटल टनल

पर्वत, एक अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र है तथा 2030 तक जलवायु परिवर्तन के कारण अनुमानित 4.5% जीडीपी हानि का बड़ा हिस्सा यहीं से आएगा, अतः संधारणीय प्रबंधन आवश्यक है।

16. भारत में रेत संसाधनों के असंधारणीय प्रबंधन के लिए उत्तरदायी कारणों की विवेचना कीजिए। इसके प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए इस संदर्भ में किए गए उपचारात्मक उपायों का वर्णन कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Discuss the reasons behind unsustainable management of sand resources in India. Highlighting its impact, enumerate the remedial measures taken in this context. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

रेत, जल के बाद उपयोग किया जाने वाला दुसरा सर्वाधिक, प्राकृतिक संसाधन है।

असंधारणीय रेत प्रबंधन –

- पुनः पूर्ति दर से ज्यादा खनन
- स्थानीय पर्यावरण का ध्यान न रखना
- संवेदनशील क्षेत्रों में भी खनन।

★ उत्तरदायी कारण

1) लगातार बढ़ती मांग
   ↳ पिछले 20 वर्षों में 3 गुना बढ़ी

2) राजनीति व अपराधी गठजोड़ –
   ↳ हरियाणा में 2022 में एसपी की हत्या।

3) तकनीक की कमी
   ↳ रियल टाइम मानीटरिंग नहीं।

4) स्थानीय लोगों द्वारा रिपोर्टिंग नहीं

5) स्पष्ट परिभाषा व नियमन नहीं

↳ रेत - 'गौण खनिज' है।

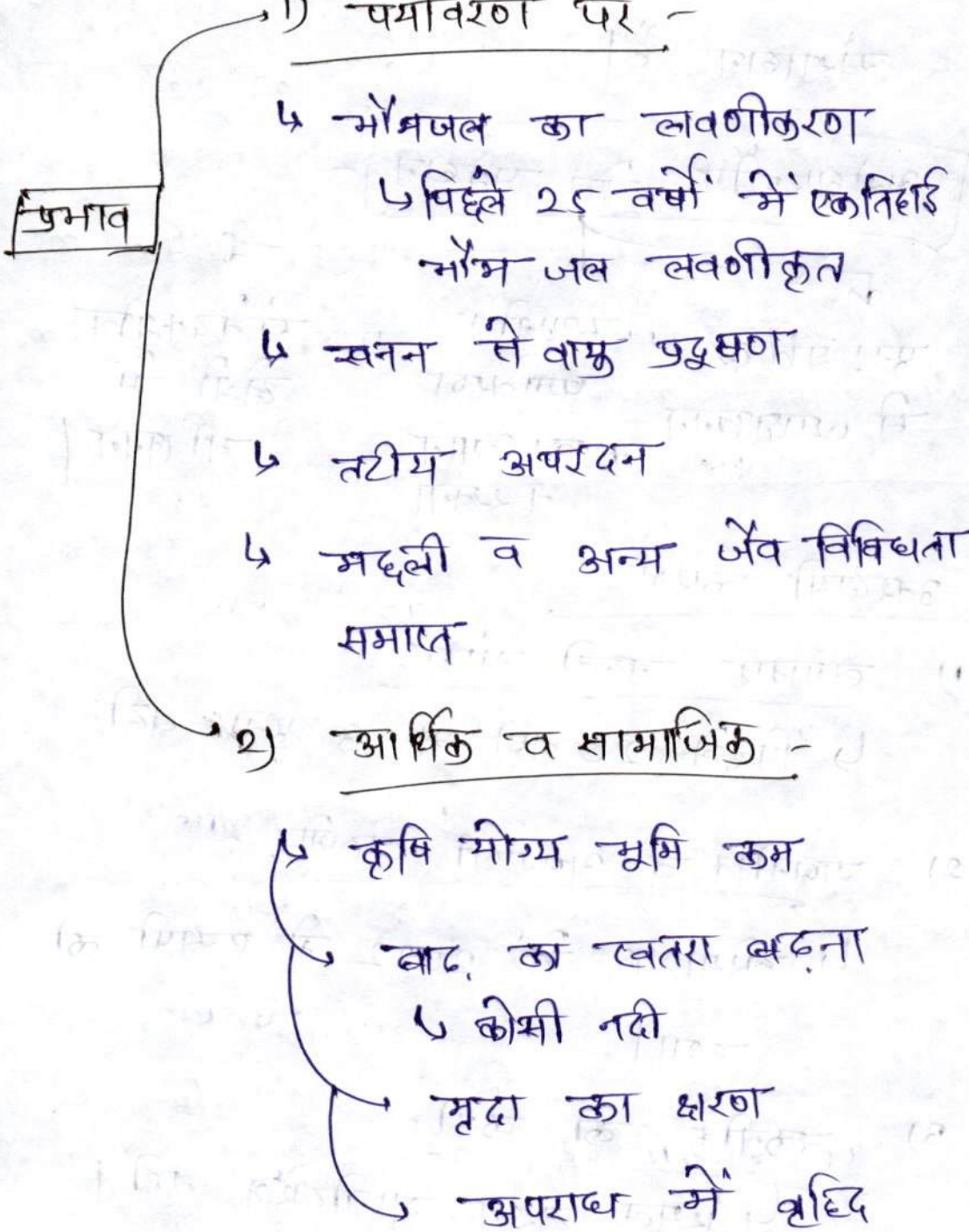

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपचारात्मक उपाय -

* रेत प्रबंधन दिशानिर्देश - 2020
  - पुनः पूर्ति दर से ज्यादा खनन नहीं
  - खनन से लेकर उपयोग तक निगरानी
* राजस्थान द्वारा 'एम-सैंड' उत्पादन
  - पत्थरों को पीसकर बनायी जाएगी।
* फ्लाई एश का प्रयोग
  - यह रेत को प्रतिस्थापित कर सकता है।
  - वर्तमान उत्पादित 92% फ्लाई एश पुनः प्रयुक्त।

अधारभीम
रेत का खनन, समाज व पर्यावरण दोनों के लिए अनैतिक प्रस्तुत करता है, स्पष्ट प्रबंधन की आवश्यकता है।

17. प्रमुख लिथियम उत्पादक देशों का विवरण देते हुए, लिथियम उत्पादन के भू-राजनीतिक पहलुओं और इसके पर्यावरणीय प्रभावों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Giving an account of the major lithium-producing countries, discuss the geo-political aspects of lithium production and its environmental implications. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ई-वाहन, बैटरीज, सेमीकंडक्टर आदि नए युग की प्रौद्योगिकी हेतु महत्वपूर्ण होने के कारण लीथियम का महत्व बढ़ता जा रहा है।

लीथियम भंडार

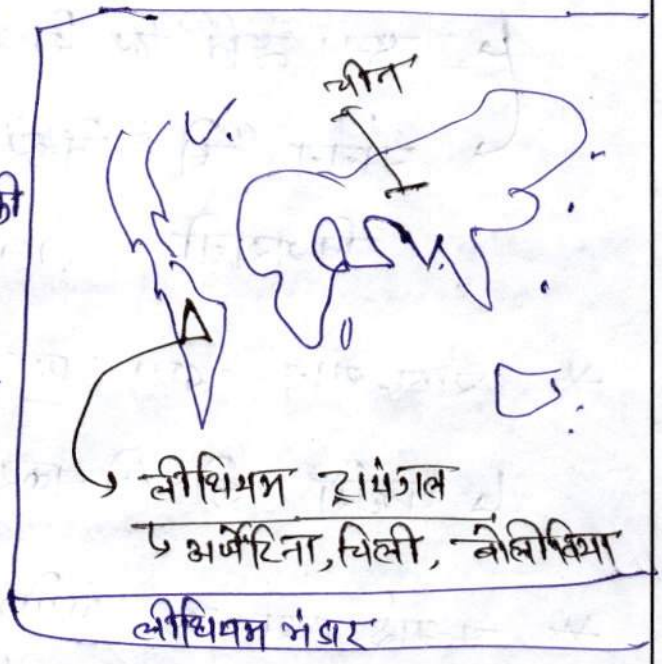

~~अमुख~~

प्रमुख उत्पादक देश

- द० अमेरिका में विश्व का 35% लीथियम भंडार
  - अर्जेंटिना, चिली, बोलीविया (लीथियम ट्राएंगल)
- चीन
- भारत में रियासी में भंडार होने का अनुमान।

भू- राजनीतिक पहलू -

* लगातार बढ़ती मांग = महत्व में वृद्धि
  ↳ भारत की ओएनजीसी विदेश की द० अमेरिका में रुचि।

* देशों द्वारा शस्त्रीकरण
  ↳ चीन का आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करना।

* नए प्रकार की साझेदारियाँ
  ↳ मिनरल सिक्योरिटी पार्टनरशिप

* विकासशील देशों में नयी चुनौतियाँ
  ↳ तेल के लिए जिस प्रकार प० एशिया में संघर्ष हुए उसका खतरा।

* बहुपक्षीय विकास संस्थानों की रुचि
  ↳ विश्व बैंक आदि।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खनन के पर्यावरणीय प्रभाव

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1) वायु प्रदूषण
   ↳ खनन के दौरान पार्टिकुलेट मैटर (PM) व अन्य प्रदूषक निकलना

2) वन व जैव विविधता हानि
   ↳ खनन हेतु वनों की कटाई।

3) भौम-जल का दूषित होना

4) स्थानीय लोगों का विस्थापन व गंभीर बीमारियाँ

5) संवेदनशील क्षेत्रों में आपदाएं
   ↳ जम्मू कश्मीर में भूकंप संभावना

लीथियम को नया तेल कहा जा रहा है, पर इसके खनन में धारणीयता का ध्यान रखे जाने की आवश्यकता है।

18. युवा वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को समाहित करने तथा अपने देशों के बाहर की घटनाओं और अनुभवों से जुड़ने में सक्षम हैं। इस संदर्भ में, युवा पहचान के विभिन्न पहलुओं पर वैश्वीकरण के प्रभाव की विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The youth are capable of identifying themselves with a global identity and connecting with events and experiences outside their countries. In this context, discuss the impact of globalization on the various aspects of youth identity. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत की माध्य उम्र 28 वर्ष है,
अर्थात् भारत की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या का घर है।

युवाओं का महत्व

वैश्विक पहचान के साथ समाहित	बाहर की घटनाओं व अनुभवों से जुड़ाव
↳ हिप-हाप कल्चर, जींस धारण करना, अंग्रेजी बोलना व विदेशी भोजन।	↳ ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन में भारी सहभागिता
↳ वैलेंटाइन डे जैसे त्यौहारों का प्रचलन	↳ अमेरिका व ब्रिटेन के नए राष्ट्र प्रमुखों में रुचि लेना
↳ इंटरनेट ने मद समाहरण और गहरा किया।	↳ XR ग्रुप जैसे पर्यावरण आंदोलनों का समर्थन

युवा पहचान पर वैश्वीकरण का प्रभाव -

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1) सकारात्मक प्रभाव -

1) रोजगार अवसरों में वृद्धि
   - बहुराष्ट्रीय कंपनियां
   - बाहर जाकर रोजगार (गूगल के सीईओ)

2) नयी तकनीकें व कौशल तक पहुंच
   - कृत्रिम बुद्धिमत्ता
   - स्टार्टअप्स

3) युवा महिलाओं को ज्यादा अवसर
   - पितृसत्तात्मक ढांचा टूटना
   - शहरीकरण व एकल परिवारों के कारण महत्व बढ़ना

4) मनोरंजन के नए साधन
   - वर्चुअल रियलिटी

5) ज्ञान में वृद्धि
   - वैश्विक घटनाओं की जानकारी
   - भारत में विदेशी शिक्षा संस्थान (डीकिन विश्वि.)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6) स्वास्थ्य क्षमता में वृद्धि
- कोविड में रियलटाइम जानकारी
- टेलीमेडिसिन

नकारात्मक प्रभाव

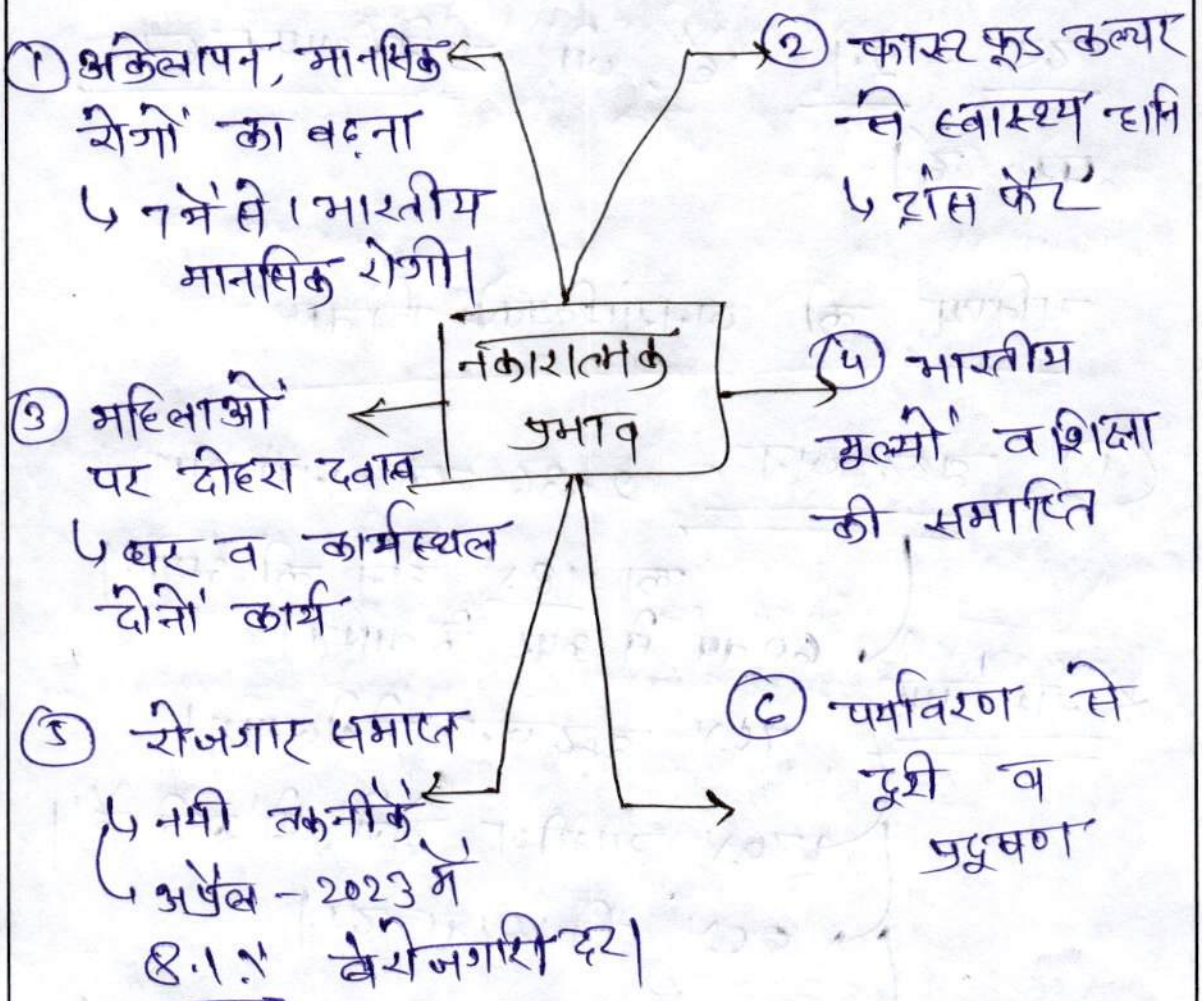

1. अकेलापन, मानसिक रोगों का बढ़ना
   - 7 में से 1 भारतीय मानसिक रोगी।
2. फास्ट फूड कल्चर से स्वास्थ्य हानि
   - ट्रांस फैट
3. महिलाओं पर दोहरा दबाव
   - घर व कार्यस्थल दोनों कार्य
4. भारतीय मूल्यों व शिक्षा की समाप्ति
5. रोजगार समाप्त
   - नयी तकनीकें
   - अप्रैल - 2023 में 8.1% बेरोजगारी दर।
6. पर्यावरण से दूरी व प्रदूषण

– भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है तो युवा क्षमता का दोहन करना होगा, ऐसे में वैश्वीकरण के नकारात्मक प्रभाव कम करने जरूरी हैं।

19. जैसे-जैसे भारत में प्रजनन दर में गिरावट आ रही है, भविष्य की जनसांख्यिकीय चिंताएं वृद्धजनों की बढ़ती आबादी और एक कमजोर सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के आस-पास केंद्रित होती जा रही हैं। चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

As fertility rates decline in India, future demographic concerns center around an ageing population and a weak social security system. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण - 5 के अनुसार, भारत की कुल प्रजनन दर - 2.1 है, जो प्रतिस्थापन स्तर पर है।

भविष्य की जनसांख्यिकी चिंताएं -

(1) वृद्ध जन - 2036 तक जनसंख्या का 18% होने की उम्मीद।
- 60 वर्ष से ऊपर के व्यक्ति।

* समस्याएं -
- 75% वृद्धजन बेरोजगार।
- 70% ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं।
- 55% निरक्षरता दर।
- 47% अपने परिवार पर निर्भर।
- बढ़ते अपराध।
- एकल परिवारों का चलन।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

* उपाय

1) योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन
   ↳ प्रधानमंत्री वय वंदना योजना

2) रिटायरमेंट एज बढ़ाई जाए।

3) वृद्धाश्रमों की व्यवस्था व सुविधाएं
   ↳ हेल्प एज इंडिया जैसे NGO की मदद लेना।

4) सक्षम वृद्धजनों को नयी कौशल सिखाना।
   ↳ जैसे - बेकरी के काम।

② कमजोर सामाजिक सुरक्षा प्रणाली -

* समस्याएं - 1) शिक्षा व स्वास्थ्य पर कम सरकारी खर्च
   ↳ स्वास्थ्य पर 1.2% (जीडीपी

2) कल्याणकारी योजनाएं भ्रष्टाचार का शिकार
   ↳ पीडीएस में 60% खाद्य की चेहुचता है (शांता कुमार समिति)

3) असंगठित क्षेत्र की अधिकता

↳ 90% रोजगार असंगठित क्षेत्र में
↳ पेंशन, बीमा आदि से वंचित |

4) डिजिटल असमानता

↳ 31% ग्रामीण आबादी की ही इंटरनेट तक पहुंच

उपाय

- कौशल विकास पर ध्यान
- भ्रष्टाचार की समाप्ति
- अटल पेंशन योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन
- शिक्षा व स्वास्थ्य पर खर्च बढ़े
  ↳ शिक्षा पर 6% (कस्तूरीरंगन समिति)
- डिजिटल साक्षरता
  ↳ PMGDISHA

प्रजनन दर में गिरावट के साथ जनांकिकीय लाभांश का फायदा लेना जरूरी है |

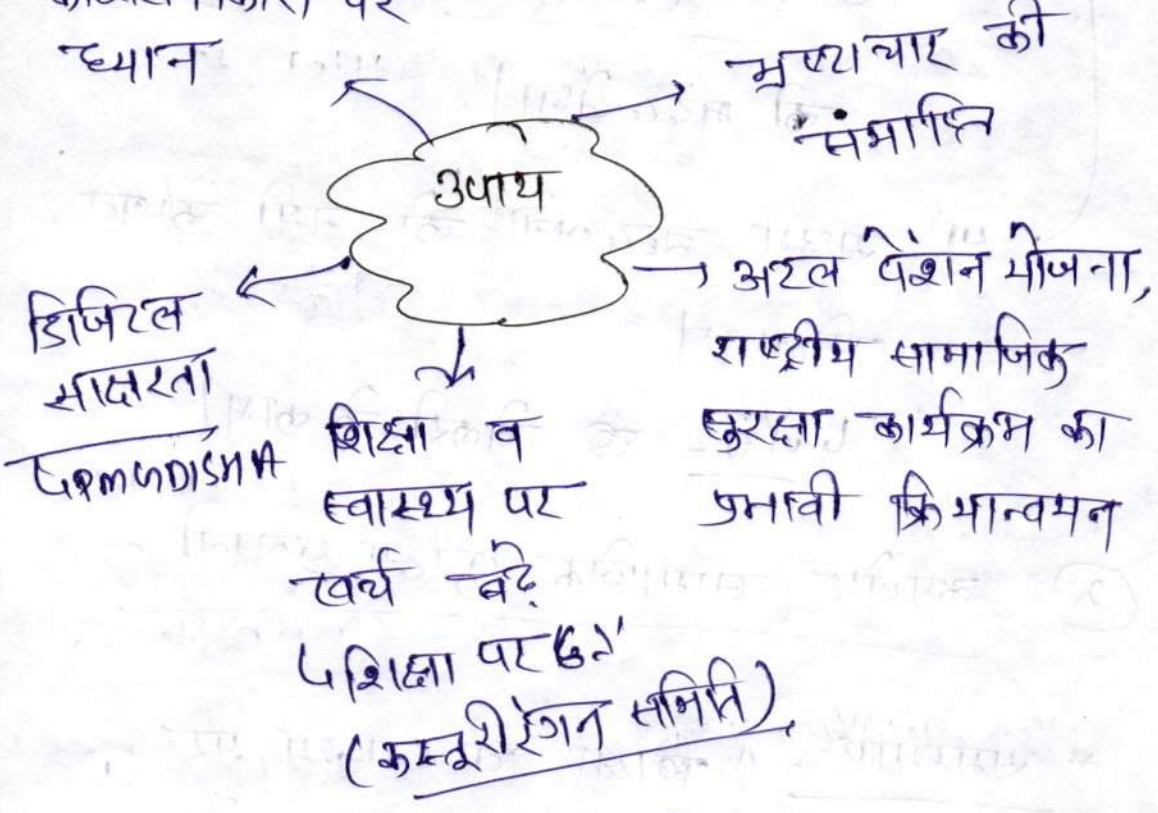

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

20. 2030 तक भारत की आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से के शहरी क्षेत्रों में निवास करने की उम्मीद है, ऐसे में शहरी गरीबों के कल्याण को लोक नीति के केंद्र में लाने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

With a significant proportion of India's population expected to live in urban areas by 2030, the welfare of the urban poor needs to take centre-stage in public policy. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नीति आयोग के अनुसार 2030 तक भारत की 40% आबादी शहरों में रहेगी।

शहरी गरीबी की समस्या

* 90% रोजगार असंगठित क्षेत्र में हैं।
  - सामाजिक सुरक्षा नहीं
  - वेतन नियमों का पालन नहीं।

शहरी गरीबी

- 17% शहरी जनसंख्या स्लम में रहती है।
- 9 लाख शहरी लोगों के पास अपना घर नहीं है।
- केवल 18% स्लम जनसंख्या के पास पीने का पाइप से आने वाला पानी

* आवास व अन्य बुनियादी सुविधाएं नहीं।

* महिलाओं के साथ भेदभाव
  - वर्कफोर्स में 20% से भी कम
  - गरीबी में ज्यादा सुभेद्यता।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

* शिक्षा के अवसर नहीं

↳ 26% प्रवासी मजदूर निरक्षर

↳ बच्चों को शिक्षा प्रदान नहीं कर पाते = गरीबी का चक्र चलता रहता है।

* स्वास्थ्य समस्याएं

↳ स्वास्थ्य पर आउट आफ पॉकेट खर्च 48%

↳ कोविड जैसी महामारी से सुभेद्य

आवश्यकता

1) नीतिगत उपाय

i) व्यापक शहरी कल्याण योजना बनाना

ii) शहरी स्थानीय संस्थाओं को ज्यादा वित्त व 12वीं अनुसूची के ज्यादा विषय देना।

iii) मास्टरप्लान के तहत शहर बसाना

iv) अमृत 2.0 जैसी योजनाओं का क्रियान्वयन।

2) क्षमता निर्माण

i) कौशल प्रदायगी

↳ प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 3.0

ii) छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन

iii) शिक्षा व स्वास्थ्य की उपलब्धता

3) माडल उपाय -

* राजस्थान का शहरी बेरोजगारों को रोजगार गारंटी देना

* धारावी स्लम (मुंबई)

भारत की GDP शहरों से आती है, अतः कल्याणकारी योजनाओं का प्रथम लक्ष्य अब शहरी गरीबों को बनाया जाना चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK